परमेष्वर के राज्य के विस्तार में एकमात्र बाधा पुनरुत्पादन की अनुपस्थिति है

क्या यह रूचिकर नहीं है कि सृष्टि भी परमेष्वर के पुनरुत्पादन और पुनरुत्पत्ति के निरंतर चलने वाले चक्र को प्रतिबिम्बित करती है? वर्ष के प्रत्येक मौसम का अपना सौन्दर्य होता है और यह अपना उद्देष्य पूरा करता है, परन्तु अंततः इसे अगले मौसम को रास्ता देना पड़ता है ताकि नए जीवन का चक्र निरंतर आगे बढ़ता जाए। मनुष्यों और जन्तुओं में पुनरुत्पादन करने की स्वाभाविक चाहत होती है। यह चाहत हमारे सृष्टिकर्त्ता ने एक ही उद्देष्य से डाली है कि उसके राज्य का विस्तार एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी तक होता रहे।

जिस प्रकार परमेष्वर ने आदम और हव्वा को बहुगुणित होने का निर्देष दिया था, उसी प्रकार, हम विष्वासियों को भी हमारे प्रभु यीषु ने वही निर्देष दिया है। इस लक्ष्य को हम दो तरीके से पूरा करते हैं। पहला तरीका यह है कि हम खोए हुए लोगों को यीषु की गवाही देते हैं और उन्हें परमेष्वर के राज्य में नया जन्म पाते हुए देखते हैं। दूसरा तरीका यह है कि हम क्रियात्मक रूप में अन्य लोगों के पालक बनते हैं और उन्हें षिष्य बनाते हुए स्वयं को उनमें पुनरुत्पादित करते हैं। क्या आप परमेष्वर के राज्य के विस्तार को सीमित कर रहे हैं?

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मेरी सहायता करें कि मैं अपने जीवन में आपके राज्य के विस्तार के लिए आपके और अन्य लोगों के साथ सहभागी होने की अपनी जिम्मेदारी को नज़रअंदाज़ न करूँ। खोए हुओं को जीतने का हियाव मुझमें भरें और यह समझने की भीतरी सुरक्षा और परिपक्वता मुझे दें कि मुझे दौड़ के अगले चक्कर के लिए दौड़ाक तैयार करने हैं।

आज के लिए वचन

उत्पत्ति 1:28 और परमेश्वर ने उनको आशीष दी : और उन से कहा, फूलो–फलो, और पृथ्वी में भर जाओ, और उसको अपने वश में कर लो; और समुद्र की मछलियों, तथा आकाश के पक्षियों, और पृथ्वी पर रेंगनेवाले सब जन्तुओ पर अधिकार रखो।

2 तीमुथियुस 2:2 और जो बातें तू ने बहुत गवाहों के साम्हने मुझ से सुनी है, उन्हें विश्वासी मनुष्यों को सौंप दे; जो औरों को भी सिखाने के योग्य हों।

मत्ती 28:18–19 यीशु ने उन के पास आकर कहा, कि स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।

बहुमत के द्वारा सत्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता

भारत में लोकतांत्रिक सरकार है। हमारे पुरखाओं ने हमारे देष की नींव इस उद्देष्य से रखी थी कि "हम लोग" शासन करते हैं। इसी कारण हम अफसरों के चयन करने, कानून पारित करने और संविधान में संषोधन करने के लिए बहुमत का सहारा लेते हैं। इस प्रकार हमारे समाज के प्रत्येक क्षेत्र में किसी भी नीति का निर्धारण बहुमत के आधार पर किया जाता है।

तथापि, परमेष्वर का राज्य लोकतांत्रिक नहीं है, गणतांत्रिक नहीं है। यह ईष्वरतंत्र के आधीन कार्य करता है, जिसका साधारण अर्थ यह है कि इसमें "परमेष्वर शासन करता है।" कठिन समयों से गुजरते हुए हम अक्सर अन्य लोगों की राय लेते हैं या इस परीक्षा का भी सामना करते हैं कि अन्य लोग क्या विष्वास करते हैं या क्या कर रहे हैं। तथापि, एक बार समझ लेने के बाद, हमारे जीवन में परमेष्वर के वचन पर न तो कभी बहस होनी चाहिए और न ही उस पर कोई प्रष्न उठना चाहिए। बाइबल ही *सत्य वचन* है। यह वही कहती है जो सत्य है और उसके कथन का वही अर्थ होता है जो उसने कहा है। सबकुछ छोड़ दें और अपना हाथ परमेष्वर के हाथों में सौंप दें और आज उसके सत्य में चलें।

edit copy

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रभु आपने ही मुझे बनाया है, और मैं जान गया हूँ कि मेरे सृष्टिकर्त्ता होने के नाते आप जानते हैं कि मेरे लिए सर्वोत्तम क्या है। मुझे बल दें कि मैं कठिन समयों में बहुमत की बातों में न आऊँ बल्कि उस सत्य के प्रति समर्पित रहूँ जो आपके वचन में प्रकट किया गया है।

आज के लिए वचन
यूहन्ना 17:17 सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र करः तेरा वचन सत्य है।

भजन 119:30 मैं ने सच्चाई का मार्ग चुन लिया है, तेरे नियमों की ओर मैं चित्त लगाए रहता हूं।

रोमियों 3:4 कदापि नहीं, बरन परमेश्वर सच्चा और हर एक मनुष्य झूठा ठहरे, जैसा लिखा है, कि जिस से तू अपनी बातों में धर्मी ठहरे और न्याय करते समय तू जय पाए।

1 कुरिन्थियों 1:20 कहां रहा ज्ञानवान? कहां रहा शास्त्री? कहां इस संसार का विवादी? क्या परमेश्वर ने संसार के ज्ञान को मूर्खता नहीं ठहराया?

साहस का अर्थ डर की अनुपस्थिति नहीं है

जरूरी नहीं है कि डर एक नकारात्मक भावना है। उदाहरणार्थ, पहाड़ी सड़क के किनारे पर सम्भल कर गाड़ी चलाने के अच्छे डर से गम्भीर या बहुत बुरी दुर्घटना से बचा जा सकता है। साँप जैसे जंगली जन्तु का अच्छा डर हमें डसने से बचा सकता है। फिर भी, एक पिता, साहस के कारण (डर की अनुपस्थिति नहीं), साँप और अपने बच्चे के बीच में आकर खड़ा हो सकता है ताकि अपने बच्चे को डसने और ज़हर से बचाए।

इसलिए डर में इतनी क्षमता है कि वह हमारे जीवन में सकारात्मक प्रभाव भी डाल सकता है और नकारात्मक भी। डर हमें वे काम करने से रोक सकता है जो हमें करने चाहिएं और वे काम करने से भी रोक सकता है जो हमें नहीं करने चाहिएं। शूरवीर वे लोग होते हैं जो इनमें भिन्नता जानते हैं और बुद्धिमानी और साहस के साथ काम करते हैं। अतार्किक डरों को अनुमति न दें कि वे आपको आगे बढ़ने से रोकें। साहसी बनें और डटे रहें।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, साहस के साथ सारे डरों का सामना करने में मेरी सहायता करने और आज तथा प्रतिदिन विजय में चलने की सामर्थ से मुझे भरने के लिए आपका धन्यवाद। आप पर भरोसा रखने के द्वारा मुझे जीवन की सारी समस्याओं का सामना साहस के साथ करना सिखाएं।

आज के लिए वचन
भजन 111:10 बुद्धि का मूल यहोवा का भय है; जितने उसकी आज्ञाओं को मानते हैं, उनकी बुद्धि अच्छी होती है। उसकी स्तुति सदा बनी रहेगी।।

यहूदा 22–23 और उन पर जो शंका में हैं दया करो। और बहुतों को आग में से झपटकर निकालो, और बहुतों पर भय के साथ दया करो; बरन उस वस्त्र से भी घृणा करो जो शरीर के द्वारा कलंकित हो गया है।

यहोषू 1:8–9 व्यवस्था की यह पुस्तक तेरे चित्त से कभी न उतरने पाए, इसी में दिन रात ध्यान दिए रहना, इसलिये कि जो कुछ उस में लिखा है उसके अनुसार करने की तू चौकसी करे; क्योंकि ऐसा ही करने से तेरे सब काम सुफल होंगे, और तू प्रभावशाली होगा। क्या मैं ने तुझे आज्ञा नहीं दी? हियाव बान्धकर दृढ़ हो

edit copy

जा; भय न खा, और तेरा मन कच्चा न हो; क्योंकि जहां जहां तू जाएगा वहां वहां तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे संग रहेगा।

आप सर्वाधिक संकल्पित तभी हो सकते हैं जब आप हार न मानने के लिए संकल्पित हो जाएंगे

कितनी दुःखद बात है कि हम बचपन में सीखे हुए छोटे छोटे पाठों को ज्यादातर याद नहीं रखते और जहां हम आज हैं वहां उन्हें लागू नहीं करते। आइए हम अपने उस पहले अनुभव के बारे में सोचें जब हमने साइकिल चलानी सीखी थी। दो पहियों पर संतुलन बनाना हमें असम्भव लगा होगा, परन्तु हमने अपना साहस इकट्ठा किया और पूरी जी जान लगा दी। हम कितनी बार गिरे, घुटने छिलवाए, और फिर से कोषिष करने के लिए उठ खड़े हुए? फिर भी हम आगे बढ़ते रहे क्योंकि हमने अपने मित्रों के साथ साइकिल पर स्कूल जाने के दर्षन को छोड़ने से इनकार कर दिया। अंत में, हमें अपनी दृढ़ता और साहस का फल मिला और हम सड़क पर साइकिल दौड़ाने लग पड़े।

हमारे जीवन में आने वाली चुनौतियां भी मूलरूप में साइकिल चलाना सीखने से भिन्न नहीं हैं। धार्मिकता के सकरे और सीधे मार्ग पर चलना और परमेष्वर के उद्देष्यों को पूरा करना साइकिल चलाने के समान ही है। इसके लिए साहस, ध्यान और हार न मानने के संकल्प की आवष्यकता पड़ती है।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मुझमें बालक का सा विष्वास डालें ताकि मैं प्रत्येक चुनौती का सामना विजयी स्वभाव के साथ कर सकूँ। मुझे उन सभी विष्वास के नायकों का स्मरण दिलाएं जिन्होंने असम्भव कार्यों पर विजय प्राप्त की और पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा पृथ्वी पर अपने लक्ष्य को विजय के साथ पूरा किया।

आज के लिए वचन

फिलिप्पियों 3:14 मैं निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूं, ताकि वह इनाम पाऊं, जिस के लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।

इब्रानी 12:2 और विश्वास के कर्ता और सिद्ध करनेवाले यीशु की ओर ताकते रहें; जिस ने उस आनन्द के लिये जो उसके आगे धरा था, लज्जा की कुछ चिन्ता न करके, क्रूस का दुख सहा; और सिंहासन पर परमेश्वर के दहिने जा बैठा।

इब्रानी 10:38 और मेरा धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा, और यदि वह पीछे हट जाए तो मेरा मन उस से प्रसन्न न होगा।

जिसके कान हो वह सुन ले कि आत्मा कलीसिया से क्या कहता है

प्रकाषितवाक्य की पुस्तक में से यह वचन इन अंतिम दिनों के लिए परमेष्वर का वचन है। हमारे पास यह सुनने के लिए कान होने चाहिएं कि आत्मा कलीसिया से क्या कह रहा है, न कि यह कि आत्मा संसार से क्या कह रहा है। 2 राजा 7 की घटना में, इस्राएल के शत्रु उन्हें चारों ओर से घेरे हुए थे, और उनकी विजय की कोई आषा नहीं थी, सिवाय इसके कि परमेष्वर ने उनके शत्रुओं को ऐसी आवाज़ सुनाई जिसे सुनकर वे डर गए। जब अरामियों न परमेष्वर की भेजी हुई आवाज़ सुनी, तो वे अपना धन, अपने हथियार और अपनी सारी सम्पत्ति इस्राएलियों के लिए छोड़कर दौड़ गए। परमेष्वर दोबारा ऐसी डराने वाली आवाज़ में बोल सकता है जिससे हमारे शत्रु डर कर भाग जाएं और पापियों की सम्पत्ति धर्मियों के लिए छोड़ जाएं। उन आवाज़ों को न सुनें जिन्हें संसार सुनता है.....वह सुनें कि आत्मा कलीसिया से क्या कह रहा है। हो सकता है परमेष्वर आपको उस वस्तु की *ओर* दौड़ने के लिए कहे जिससे संसार के लोग *दूर* भाग रहे हैं। परमेष्वर कलीसिया से क्या कह रहा है?

आज के लिए प्रार्थना

edit copy

हे प्रिय प्रभु, मुझे सुनने के कान और समझने का हृदय दें कि आत्मा कलीसिया से क्या कह रहा है। मुझे यह भिन्नता करने में सहायता करें कि संसार क्या सुनता है और आप अपनी कलीसिया को क्या सुनाना चाहते हैं।

आज के लिए वचन
2 राजा 7:6–7 क्योंकि प्रभु ने अराम की सेना को रथों और घोड़ों की और भारी सेना की सी आहट सुनाई थी, और वे आपस में कहने लगे थे कि, सुनो, इस्राएल के राजा ने हित्ती और मिस्री राजाओं को वेतन पर बुलवाया है कि हम पर चढ़ाई करें। इसलिये वे सांझ को उठकर ऐसे भाग गए, कि अपने डेरे, घोड़े, गदहे, और छावनी जैसी की तैसी छोड़–छाड़ अपना अपना प्राण लेकर भाग गए।

मत्ती 13:15 क्योंकि इन लोगों का मन मोटा हो गया है, और वे कानों से ऊंचा सुनते हैं और उन्हों ने अपनी आंखें मूंद लीं हैं; कहीं ऐसा न हो कि वे आंखों से देखें, और कानों से सुनें और मन से समझें, और फिर जाएं, और मैं उन्हें चंगा करूं।

हो सकता है कि आप अभी जो कुछ सह रहे हैं वह आपके अतीत की सज़ा नहीं है बल्कि भविष्य के लिए स्थापन है

जब कभी हम नौकरी के लिए साक्षात्कार देने गए होंगे तो हम में से अधिकतर लोगों से यही पूछा गया होगा, "क्या आपके पास कोई अनुभव है?" चाहे हम अपनी कॉलेज की षिक्षा पर जितना भी जोर डालें, नौकरी देने वाले लोग हमारे पिछले अनुभव में ही दिलचस्पी लेते हैं। वास्तविकता यह है कि कुछ काम ऐसे होते हैं जिनकी उच्च षिक्षा प्राप्त कर लेने के बावजूद भी कुछ अनुभव की आवष्यकता पड़ती है।

बीते अनुभव के लाभ हमें यह जानने में सक्षम बनाते हैं कि हम क्या करें और क्या न करें तथा ये हमें बार बार बड़ी गल्तियां करने से भी बचा सकते हैं। अपने जीवन में हम कई गल्तियां करते हैं, तथापि परमेष्वर इन गल्तियों के द्वारा भी हमें सिखाने और हमारी अवस्था को बेहतर बनाने के लिए तैयार है।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, मेरे वर्तमान हालातों और परिस्थितियों के बारे में मेरी सोच बदलने में मेरी सहायता करें। उनका उपयोग मुझे आपकी विष्वासयोग्यता और प्रेम सिखाने के लिए करें ताकि मैं उन बड़ी बातों को सम्भालने के लिए तैयार हो जाऊँ जो आपने मेरे लिए रखी हैं। साथ ही, जब मैं आपके बारे में सीखता हूँ, आप भी मुझे अच्छी तरह जानें ताकि मुझ पर बड़े कामों के लिए भरोसा रखा जा सके क्योंकि मैं आपकी सामर्थ और आपके वचन के द्वारा अपने जीवन की परखों में सफल होने के लिए संकल्पित हूँ।

आज के लिए वचन
उत्पत्ति 50:20 यद्यपि तुम लोगों ने मेरे लिये बुराई का विचार किया था; परन्तु परमेश्वर ने उसी बात में भलाई का विचार किया, जिस से वह ऐसा करे, जैसा आज के दिन प्रगट है, कि बहुत से लोगों के प्राण बचे हैं।

यषायाह 48:10 देख, मैं ने तुझे निर्मल तो किया, परन्तु, चान्दी के समान नहीं; मैं ने दुःख की भट्ठी में परखकर तुझे चुन लिया है।

2 कुरिन्थियों 4:18 और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं परन्तु अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं, क्योंकि देखी हुई वस्तुएं थोड़े ही दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएं सदा बनी रहती हैं।

यदि आप आज स्वयं को बदलने में असफल हो जाते हैं तो आपके आने वाले कल कभी नहीं बदलेंगे

कोई भी व्यक्ति कोई भी काम उस दिन नहीं कर सकता जो आज नहीं कहलाता। आपके पास केवल आज का ही दिन है और कल कभी नहीं आएगा।

कहा जाता है कि पागलपन की परिभाषा यह है कि एक ही काम को बार बार करना और विभिन्न परिणामों की उम्मीद रखना। यदि हम उम्मीद करते हैं कि हमारा भविष्य हमारे अतीत से भिन्न हो, तो हमें अपने आज के अवसरों को लेना होगा, हमारे भविष्य को सुरक्षित करने के निर्णय लेने होंगे और हमें वहां बदलना होगा जहां हम जानते हैं कि बदलाव आवष्यक है।

इसी समय अपने आप को जांचें.....और कोई उत्तम समय नहीं है.....पहला कदम उठाने के लिए अपने आप को चुनौती दें और अपने भविष्य को बदलकर अपने जीवन के लिए परमेष्वर के सर्वोत्तम के अनुसार बना लें। परमेष्वर हमसे बदलने की उम्मीद करता है। वह उम्मीद करता है कि हम उसके वचन को प्रतिदिन लागू करने के द्वारा बढ़ते जाएं। वह जानता है कि हम आज जो कुछ बदलेंगे उससे हमारा आने वाला कल बदल जाएगा। बदलें!

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मेरे चरित्र को बल दें ताकि मैं आपको अनुमति दे सकूँ कि आप मुझमें आवष्यक बदलावों पर अपना प्रकाष चमका सकें। मैं जान गया हूँ कि शायद मैं स्वयं ही अपने बेहतर कल को आने से रोके हुए हूँ। आज मुझे बदलने का अनुग्रह दें।

आज के लिए वचन
रोमियों 12:2 और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।।

2 कुरिन्थियों 6:2 क्योंकि वह तो कहता है, कि अपनी प्रसन्नता के समय मैं ने तेरी सुन ली, और उद्धार के दिन मैने तेरी सहायता कीः देखो, अभी वह प्रसन्नता का समय है; देखो, अभी वह उद्धार का दिन है।

आपकी चीख–पुकार आपको आपके मित्र से छुटकारा दिलवा देगी, परन्तु वाचा के देष में पहुंचने के लिए विष्वासयोग्यता की आवयकता पड़ती है

जैसे इस्त्राएली मिस्त्रियों से छुटकारा पाने के लिए परमेष्वर को पुकार उठे, वैसे ही हम भी उन बातों से छुटकारा पाने के लिए करते हैं जो हमें सता रही हैं। ये बातें अलग अलग हो सकती हैं जैसे कोई बुरी लत, आर्थिक समस्या, नौकरी की आवष्यकता, बिगड़े हुए वैवाहिक सम्बन्ध, या कोई और बातें जो हमें अपना गुलाम बनाकर रखती हैं।

हम सबने अपने जीवन में ऐसे समय देखे हैं जब हम परमेष्वर को पुकार उठे और हमने उसे उतरते और हमें बचाते देखा। फिर भी, यदि हम परमेष्वर की सारी प्रतिज्ञाओं को प्राप्त करने की उम्मीद रखते हैं, तो हमें उस परीक्षा से बचना होगा कि वर्तमान समस्या दूर हो जाने के बाद हम परमेष्वर को भूल जाएंगे। परमेष्वर के जिस हाथ ने हमें छुटकारा दिया है वही हाथ हमें सुरक्षा भी देगा और उस देष में ले जाएगा जिसमें दूध और मधु की नदियां बहती हैं परन्तु उस पर अधिकार जमाने के लिए विष्वासयोग्यता की आवष्यकता पड़ी है।

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रिय प्रभु, मुझे आपके प्रति विष्वासयोग्यता रखने वाले अधिकारी की मानसिकता दें। जब मेरी वर्तमान आवष्यकता पूरी हो जाती है और पुराने मार्गों में लौट जाने, या आपके बारे में आत्मसंतुष्ट हो जाने की

edit copy

परीक्षा आती है, तो मुझे अपने पवित्र आत्मा के द्वारा कायल करें और विष्वासयोग्य बने रहने का अनुग्रह दें ताकि मैं उस वाचा के देष को न खो दूँ जिसे आपने मेरे लिए रखा है।

आज के लिए वचन
निर्गमन 3:7–8 फिर यहोवा ने कहा, मैं ने अपनी प्रजा के लोग जो मिस्र में हैं उनके दुःख को निश्चय देखा है, और उनकी जो चिल्लाहट परिश्रम करानेवालों के कारण होती है उसको भी मैं ने सुना है, और उनकी पीड़ा पर मैं ने चित्त लगाया है; इसलिये अब मैं उतर आया हूं कि उन्हें मिस्रियों के वश से छुड़ाऊं, और उस देश से निकालकर एक अच्छे और बड़े देश में जिस में दूध और मधु की धारा बहती है.....।

गलातियों 5:22 ......पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वासयोग्यता......

साधारण बातें ही आपको असाधारण कामों के लिए तैयार करती और योग्य बनाती हैं। अपने साधारण में सर्वोत्तम बनें.....

क्या आपको कभी अपना जीवन नीरस और मात्र दिनचर्या जान पड़ता है? क्या आपने कभी आषा की है कि आपकी उबाऊ दिनचर्या को तोड़ने के लिए कुछ शानदार हो? ये भावनाएं सभी में होती हैं परन्तु सच्चाई यह है कि हमारे जीवन में बहुत सारे ऐसे साधारण दिन आते हैं। तथापि, वे भी उद्देष्यहीन नहीं होते। वे हमारे चरित्र को परखने, ढालने और मजबूत बनाने के लिए आते हैं।

क्षण भर की चमक से महानता नहीं मिलती; इसका निर्धारण जीवनभर के दृढ़ आचरण के द्वारा होता है। जब हम अपने साधारण क्षणों में अपने आप को भरोसेमंद और अनुषासित प्रमाणित करते हैं, तो हम असाधारण क्षणों को सम्भालने के योग्य बन जाते हैं। अपने साधारण में सर्वोत्तम बनें!

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, मैं उन साधारण दिनों के लिए आपका धन्यवाद करता हूँ जो आपने मुझे असाधारण दिनों की ओर ले जाने के लिए तैयार किए हैं। आज मैं अपने कर्त्तव्यों को पूरा करके अपने आपको विष्वासयोग्य प्रमाणित करूँगा ताकि मैं अपने जीवन के असाधारण क्षणों के लिए अपने आप को भरोसेमंद प्रमाणित कर सकूँ।

आज के लिए वचन
यषायाह 40:31 परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएंगे, वे उकाबों के समान उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे।

प्रेरितों 19:11 और परमेश्वर पौलुस के हाथों से सामर्थ के अनोखे काम दिखाता था।

मान लें, छोड़ दें, और भूल जाएं

हमें परमेष्वर की ओर से एक बहुत अद्‌भुत उपहार मिला है और वह उपहार है चयन करना। हम परमेष्वर की सेवा करने का चयन कर सकते हैं या स्वयं की सेवा करने का चयन भी कर सकते हैं। स्वयं की सेवा करना हमें एक सुनिष्चित विनाष के मार्ग पर ले जाएगा परन्तु किसी भी समय अपने जीवन में दूसरी दिषा में जाने का चयन करने के अधिकार का उपयोग करके अपनी मंज़िल को बदला जा सकता है।

हम सही दिषा में जाना कैसे आरम्भ करते हैं? पहला, अवष्य है कि हम अपने पाप परमेष्वर के सामने मान लें। मान लेना बहुत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इसके साथ जिम्मेदारी और कायलता आती है कि हमें बदलने की आवष्यकता है। दूसरा, हमें अपना पाप छोड़ना है। यह दूसरा चयन हमें सही दिषा में आगे बढ़ाता रहता है। फिर हमें अपने पाप को भूलना होगा ताकि हम दोषभावनामुक्त जीवन जी सकें। मान लें, छोड़ दें, और भूल जाएं; जीवन में आगे बढ़ने के लिए तीन आवष्यक कदम।

edit copy

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, आज मैं अपने पाप आपके सामने मान लेता हूँ। मुझे क्षमा कर दें और सामर्थ दें कि मैं उसे छोड़ दूँ और वापिस कभी न देखूँ और फिर मुझे आपके प्रेम में बने रहने में मेरी सहायता करें यह जानते हुए कि यीषु के लहू ने मेरे पाप मिटा दिए हैं और उन्हें भूलाने में मुझे सक्षम बनाया है।

आज के लिए वचन
1 यूहन्ना 1:9 यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है।

भजन 51:10 हे परमेश्वर, मेरे अन्दर शुद्ध मन उत्पन्न कर, और मेरे भीतर स्थिर आत्मा नये सिरे से उत्पन्न कर।

गतिविधि उत्पादकता के बराबर नहीं होती

मनुष्य के इतिहास में यदि कोई ऐसा समय हुआ है जहां "व्यस्तता" शब्द लागू होना चाहिए, तो वह आज है। सभी लोग व्यस्त हैं, और हम अधिकतर एक गतिविधि से दूसरी की ओर भागते रहते हैं, फिर भी अपनी विषम और व्यस्त कार्यक्रम सूची को पूरा नहीं कर पाते। तथापि, व्यस्तता हमेषा उत्पादकता की बराबरी नहीं कर पाती। आज की इस व्यस्त और थका देने वाली दौड़ में, गौर करें कि आप क्या कर रहे हैं, आप क्यों कर रहे हैं, और यह सब आप किसके लिए कर रहे हैं। शायद आपको ऐसी अनावष्यक प्रतिबद्धताएं मिल जाएं जो आपकी बहुत सारी ऊर्जा खर्च कर रही हैं परन्तु कोई मूल्यवान परिणाम नहीं ला रहीं। अपने जीवन की प्राथमिकताएं निर्धारित करें। पहली बातों को ही पहल दें। आप पाएंगे कि जीवन अधिक सहजता से चल रहा है और आपके समय का निवेष भी मायने रखेगा।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, मुझे बुद्धि दें कि मैं अपने जीवन को ईमानदारी से देख पाऊँ और उन बातों को पहचान पाऊँ जो सचमुच बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। मेरी सहायता करें कि मैं इन बातों को उनके उचित और आवष्यक महत्त्व के स्थान पर ला सकूँ। उसके बाद, मुझे बल दें कि मैं इन बातों को अपने जीवन में केन्द्रिय स्थान देने के लिए प्रतिबद्ध रहूँ। अपने जीवन के अंत में, मैं वापिस देखकर आत्मविष्वास के साथ यह कहने के काबिल होना चाहता हूँ कि मैं भिन्नता लाया हूँ क्योंकि मैंने जीवन के सबसे महत्त्वपूर्ण कामों पर ध्यान दिया।

आज के लिए वचन
मत्ती 6:33 इसलिये पहिले तुम उसके राज्य और धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएं तुम्हें मिल जाएंगी।

इफिसियों 5:15–17 इसलिये ध्यान से देखो, कि कैसी चाल चलते हो; निर्बुद्धियों के समान नहीं पर बुद्धिमानों के समान चलो। और अवसर को बहुमोल समझो, क्योंकि दिन बुरे हैं। इस कारण निर्बुद्धि न हो, पर ध्यान से समझो, कि प्रभु की इच्छा क्या है?

हो सकता है कि आप किसी निर्माण के मध्य में हैं

जब दाऊद ने परमेष्वर का निवास स्थान बनाने का निर्णय लिया, तो परमेष्वर ने उसे नातान नबी के माध्यम से डाँटा। परमेष्वर ने उसे याद दिलाया कि उसे तब चुना गया था जब वह बालक ही था, मुट्ठी भर भेड़ें चराया करता था, जीवन के हीन समय में, जब वह कुछ भी नहीं था और परमेष्वर को अर्पित करने के लिए भी उसके पास कुछ नहीं था। नबी ने आगे कहा कि यह कल्पना करना भी मूर्खता की बात थी कि परमेष्वर के लिए निवास स्थान बनाया जाए, जबकि परमेष्वर ने कोई निवास स्थान मांगा ही नहीं था। अंत में परमेष्वर ने दाऊद से कहा, "मैंने तुम्हे बुलाया और बनाया...."।

edit copy

यह घटना बयान करती है कि दाऊद को इस्राएल का राजा क्यों बनाया गया था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि परमेष्वर ने उसे बुलाया और राजा बनाया। परमेष्वर ने उसे बुलाकर राज्य दिया नहीं। दाऊद ने इस निर्माण में कई वर्ष बिताए और हमारे साथ भी अक्सर ऐसा ही होता है। शायद आप आज किसी निर्माण के मध्य में हैं। प्रधान कुम्हार के हाथ में मिट्टी समान ढालने लायक नरम रहें और उसके निर्माण की आधीनता में रहें। उसके पास आपके लिए एक योजना है!

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, जब जीवन के संकटों से चुनौती और परख के समयों में मैं अपना ध्यान आप पर लगाए रखने का चयन करता हूँ। मैं यह विष्वास करने का चयन करता हूँ कि आपका हाथ मेरे जीवन पर है और आप मुझमें वे गुण निर्मित कर रहे हैं जिनके कारण मुझे मसीही – मसीह जैसा व्यक्ति कहलाने का हक़ मिलता है। मैं सही मार्ग पर बना रहूँगा और अपनी दौड़ पूरी करूँगा। जब मैं दबाव का सामना करूँगा, तो मैं आपका सहयोग करूँगा और आपको अनुमति दूंगा कि आप मुझे अपने जैसा बनाएं। मुझे और अधिक अपने जैसा बना लें।

आज के लिए वचन
2 शमूएल 7:8 इसलिये अब तू मेरे दास दाऊद से ऐसा कह, कि सेनाओं का यहोवा यों कहता है, कि मैं ने तो तुझे भेड़शाला से, और भेड़–बकरियों के पीछे पीछे फिरने से, इस मनसा से बुला लिया कि तू मेरी प्रजा इस्राएल का प्रधान हो जाए।

बहुत लोग इस्तेमाल होने के इच्छुक तो हैं परन्तु इस्तेमाल होने के लिए तैयार होने के इच्छुक नहीं हैं

क्या आप डॉक्टर, अंतरिक्ष यात्री, शोध वैज्ञानिक, या महान खिलाड़ी बनना चाहते हैं? शायद आप बन सकते हैं और आपको बनना भी चाहिए। तथापि, यदि आप तैयारी में असफल हो गए तो आप कुछ नहीं बन पाएंगे। जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में हमें ऐसे बहुत लोग मिलेंगे जो किसी न किसी महान कार्य के लिए इस्तेमाल होने के इच्छुक हैं, तथापि, बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो इस्तेमाल होने के लिए अपनी तैयारी में समय, संसाधन और आवष्यक प्रयास खर्च करने के इच्छुक होते हैं। उस आयत का अर्थ यही है जिसमें लिखा है कि बुलाए हुए तो बहुत हैं परन्तु चुने हुए थोड़े हैं।

बुलाए हुओं और चुने हुओं में एकमात्र अंतर तैयारी हो सकता है। हम ऐसे सर्जन को अपनी या अपने बच्चों की सर्जरी नहीं करने देंगे जिसके पास कोई प्रषिक्षण, कोई तैयारी, कोई चौकसी या अनुभव न हो, परन्तु हम लोग जो प्राण के अनन्त मामलों के साथ बर्ताव करते हुए परमेष्वर द्वारा इस्तेमाल होने के इच्छुक होते हैं, कभी कभी, इस्तेमाल होने के लिए आवष्यक तैयारी में समय, संसाधन और प्रयास खर्च करने के इच्छुक नहीं होते। आज फैसला कर लें कि आप परमेष्वर द्वारा बुलाए हुए से अधिक बनेंगे......तैयार के समय में समर्पित हों और निवेष करें ताकि आप बहुत अधिक इस्तेमाल हो सकें।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, मेरी सहायता करें कि मैं जिस प्रकार इस्तेमाल होने के जोष को गर्मजोषी से गले लगाता हूँ, वैसे ही अपने जीवन के महान उद्देष्य के लिए तैयारी की बुलाहट को भी गले लगाऊँ। मैं अपने आप को उस बुलाहट की तैयारी के लिए खुषी खुषी समर्पित करता हूँ जिसके लिए आपने मुझे बुलाया है। अपने वचन और योजना के अनुसार मेरे जीवन के कार्य की तैयारी के लिए दूसरों को इस्तेमाल करें।

आज के लिए वचन
इफिसियों 4:11–13 और उस ने कितनों को भविष्यद्वकता नियुक्त करके, और कितनों को सुसमाचार सुनानेवाले नियुक्त करके, और कितनों को रखवाले और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया। जिस से पवित्र लोग सिद्ध हो जाएं, और सेवा का काम किया जाए, और मसीह की देह उन्नति पाए। जब तक कि हम सब

edit copy

के सब विश्वास, और परमेश्वर के पुत्र की पहिचान में एक न हो जाएं, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएं और मसीह के पूरे डील डौल तक न बढ़ जाएं।

ग्यारहवीं आज्ञा यह है "तुम चिंता न करना"

हमारे जीवन में चिंताएं अक्सर ऐसे तूफान लाती हैं जैसे बड़ी बड़ी लहरें रेत के किलों को बहा ले जाती हैं। अज्ञात का डर, सम्भावनाएं, और "यदि ऐसा हुआ तो क्या होगा" जैसी बातें हमारे विचारों में तब तक छाई रहती हैं जब तक हम कुछ और नहीं सोचते। परन्तु पौलुस तीमुथियुस को समझाता है कि परमेष्वर ने उसे भय का आत्मा नहीं दिया है। बल्कि, पौलुस तीमुथियुस को प्रोत्साहित करता है कि परमेष्वर ने प्रत्येक मसीही को सामर्थ, प्रेम और संयम का आत्मा दिया है। अतः, जब आपके सामने आपकी दैनिक अपरिहार्य चिंताएं आती हैं, उस समय अपनी सारी चिंता प्रभु पर डाल दो......चाहे ऐसा कितनी ही बार क्यों न हो। आपके जीवन के तूफानों और संघर्षों में वही आपकी सहायता करेगा।

<u>आज के लिए प्रार्थना</u>

हे स्वर्गिक पिता, मैं अपना मन स्वर्गिक बातों पर लगाने का चयन करता हूँ, इस संसार की बातों पर नहीं जो मुझ पर तनाव लाती हैं। मैं जानता हूँ कि मैं मसीह के द्वारा, जो मुझे सामर्थ देता है, सबकुछ कर सकता हूँ और करूँगा तथा मैं एक जयवंत हूँ। मेरे सामने आने वाली समस्याएं मुझ पर हावी नहीं होंगी। मैं परमेष्वर के वचन को अपनी समस्याओं पर हावी कर दूंगा। विष्वास और धीरज के द्वारा, मैं अपनी प्रतिज्ञाएं प्राप्त कर लूंगा।

<u>आज के लिए वचन</u>

2 तीमुथियुस 1:7 क्योंकि परमेश्वर ने हमें भय की नहीं पर सामर्थ, और प्रेम, और संयम की आत्मा दी है।

1 यूहन्ना 4:18 प्रेम में भय नहीं होता, बरन सिद्ध प्रेम भय को दूर कर देता है, क्योंकि भय से कष्ट होता है, और जो भय करता है, वह प्रेम में सिद्ध नहीं हुआ।

फिलिप्पियों 4:6–7 किसी भी बात की चिन्ता मत करोः परन्तु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना और बिनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित किए जाएं। तब परमेश्वर की शान्ति, जो समझ से बिलकुल परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी।

स्वस्थ रहने के लिए सभी को उचित आहार, उचित व्यायाम, उचित विश्राम, और उचित त्याग की आवष्यकता होती है

क्या मुझे और विवरण देने की आवष्यकता है? ठीक है, यह इस प्रकार है। सफल जीवन की कुंजी संतुलन है। इनमें से एक या अधिक घटक की कमी हो जाने पर आप असर को महसूस करना आरम्भ कर देंगे। परमेष्वर ने हमें एक आत्मा बनाया है, जिसके पास एक प्राण है, जो एक शरीर में रहता है, और आदर्ष प्रभाव के लिए इन सभी का उचित रख–रखाव जरूरी है। इस कारण आदर्ष स्वास्थय प्राप्त करने के लिए शरीर, प्राण और आत्मा की उचित देखभाल जरूरी है। और नहीं, इसका अर्थ केवल उचित पोषक तत्व लेना ही नहीं हैं। इसमें उन घटकों को त्यागना भी शामिल है जिनका सेवन अस्वस्थ और हानिकारक सिद्ध हुआ है। अतः इसे अचम्भे की बात न समझें कि नियमित रूप से आपको अपने प्राण और आत्मा को जांचना होगा और वे सभी बातें त्यागनी होंगी जो परमेष्वर की इच्छा, मार्ग और उसके वचन के विरूद्ध हैं। वह वायदा करता है कि आप अधिक उत्तम और स्वस्थ महसूस करेंगे।

<u>आज के लिए प्रार्थना</u>

हे परमेष्वर, मुझे उन बातों का सामना करने में सहायता करें जो पवित्र आत्मा का मंदिर होने के नाते मेरे स्वास्थय के लिए हानिकारक हैं। मुझे उन बातों को पहचानने और उनसे छुटकारा पाने में सहायता करें जो

edit copy

मेरे प्राण और आत्मा के स्वास्थय के लिए हानिकारक हैं। हे परमेष्वर, मेरे हृदय को शुद्ध करें, और मुझे स्वच्छ पात्र बनाएं जिसके द्वारा आप रौषन हो सकें।

आज के लिए वचन

याकूब 1:21 इसलिये सारी मलिनता और बैर भाव की बढ़ती को दूर करके, उस वचन को नम्रता से ग्रहण कर लो, जो हृदय में बोया गया और जो तुम्हारे प्राणों का उद्धार कर सकता है।

इफिसियों 4:22–24 ......तुम अगले चालचलन के पुराने मनुष्यत्व को जो भरमानेवाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता है, उतार डालो। और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ। और नये मनुष्यत्व को पहिन लो.......

लोगों को सफलता के साथ साथ असफल होने का भी मौका दें

बाइबल यीषु को परमेष्वर के पुत्र और मनुष्य के पुत्र, दोनों के रूप में प्रस्तुत करती है। यीषु की मानवता ने मांग की कि वह अपने पौरूष और सेवकाई में बढ़ते हुए षिक्षा और जीवन का अनुभव प्राप्त करे। वह न केवल हर बात में परखा गया और निष्पाप निकला, बल्कि साथ ही उसने दुःख उठाकर आज्ञापालन का मूल्य भी सीखा। यषायाह नबी ने उद्घोषणा की कि मसीहा जीवन की मीठी और कड़वी बातों का स्वाद चखेगा ताकि जब उसका समय आए तो वह अपने लिए निर्णय ले सके।

परमेष्वर ने अपने पुत्र यीषु को चयन करने का अधिकार दिया और उसे असफल होने का भी उतना ही मौका दिया जितना सफल होने का। यीषु चाहता तो युद्ध करने और क्रूस से बचने के लिए हजारों स्वर्गदूत बुला सकता था, परन्तु उसने ऐसा न करने का चयन किया। वह चयन उसका अधिकार था। जिन लोगों को हम षिष्य बना रहे हैं उनकी सूक्ष्मता से देखभाल करने और उनकी तैयारी के बाद उन्हें आगे बढ़ाने को हमने बोझ नहीं समझना है। जब हम दौड़ के अगले चक्कर के लिए दौड़ाकों को तैयार कर रहे हैं, तो हमें किसी न किसी मोड़ पर अन्य लोगों को हमसे आगे बढ़ने देना होगा।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं आपसे बुद्धि और अनुग्रह मांगता हूँ कि मैं अन्य लोगों पर वैसे भरोसा रख सकूँ जैसे आप उनपर भरोसा रखते हैं और जो लोग मेरी देखभाल में हैं उन्हें आपके संबंध में उनकी जिम्मेदारियां निभाने दूँ। यह आपका राज्य है और हम सब आपके सेवक हैं। सही चयन करने के लिए यीषु के नाम में हमारी सहायता करें।

आज के लिए वचन

यषायाह 7:15 और जब तक वह बुरे को त्यागना और भले को ग्रहण करना न जाने तब तक वह मक्खन और मधु खाएगा।

इब्रानियों 5:8 और पुत्र होने पर भी, उस ने दुख उठा उठाकर आज्ञा माननी सीखी।

इब्रानियों 4:15 क्योंकि हमारा ऐसा महायाजक नहीं, जो हमारी निर्बलताओं में हमारे साथ दुखी न हो सके; बरन वह सब बातों में हमारे समान परखा तो गया, तौभी निष्पाप निकला।

कलीसिया के दर्षन का उपफल केवल दर्षन नहीं बल्कि कलीसिया की वृद्धि होनी चाहिए

"परमेष्वर के राज्य के लिए आत्माएं" प्रत्येक विष्वासी का लक्ष्य होना चाहिए, तथा कलीसिया के लिए ऐसा और कितना अधिक चाहिए? आत्माओं की गिनती महत्व रखती है, तथापि, गिनती करते समय परिणाम देखने के लिए हम अपनी आँखें यीषु पर से हटा लेते हैं, ऐसा हम ज्यादातर अपनी नैतिक उन्नति के लिए करते हैं। हमें अपना ध्यान कलीसिया की वृद्धि की बजाय, परमेष्वर के राज्य के प्रसार पर लगाना चाहिए,

यह याद रखते हुए कि इसके लिए आपको परमेष्वर की इच्छा पूरी करनी होगी। इसके परिणाम वैसे ही होंगे जैसे पतरस का पानी पर चलने का अनुभव था। जब तक उसने अपना भरोसा यीषु पर रखा और अपनी आँखें उस पर लगाए रखीं, सबकुछ ठीक रहा। परन्तु, जब वह स्वाभाविक हालातों को देखने लग पड़ा, तब उसका ध्यान परमेष्वर के राज्य की गतिविधि से हट कर स्वाभाविक गतिविधि पर आ गया। परिणाम यह हुआ कि वह भरपूर कोषिष करने के बावजूद भी पानी पर नहीं चल पाया।

जब आप उस दर्षन को देखते हैं, जो परमेष्वर ने आपके जीवन के लिए दिया है, आपकी कलीसिया के लिए दिया है, तो ध्यान रखें कि प्रकट वृद्धि का मूल्य परमेष्वर द्वारा स्वीकृत वृद्धि के मूल्य से कम है, जिसे स्वाभाविक मन और आँखों से मापना असम्भव तो नहीं पर कठिन अवष्य है।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, मेरी सहायता करें कि मैं अपनी आँखें आप पर और जीवन के लिए आपके सिद्धांतों पर लगाए रखूँ। मुझे बुद्धि दें कि मैं दृष्टि से नहीं बल्कि विष्वास से चलूँ, विषेषकर तब जब मुझे लगता हूँ कि मुझे सबकुछ पता है। मैं अस्थाई स्वाभाविक इनाम की बजाय आप पर भरोसा रखने और आपके राज्य के प्रसार को मूल्यवान समझने के लिए प्रतिबद्ध होता हूँ। मेरे लिए और हमारी कलीसिया के लिए आपकी योजना अच्छी है, हमारे आज्ञापालन में हमें आषीष दें।

आज के लिए वचन
2 कुरिन्थियों 5:7 क्योंकि हम रूप को देखकर नहीं, पर विश्वास से चलते हैं।

मत्ती 14:28 पतरस ने उस को उत्तर दिया, हे प्रभु, यदि तू ही है, तो मुझे अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे।

नीतिवचन 11:30 धर्मी का प्रतिफल जीवन का वृक्ष होता है, और बुद्धिमान मनुष्य लोगों के मन को मोह लेता है।

ऐसा सोचने की गलती न करें कि परमेष्वर ने जैसे अन्य लोगों की अगुवाई की है, वह आपकी अगुवाई भी वैसे ही करेगा

एक पुरानी कहावत है "परमेष्वर रहस्यपूर्ण ढंग से अगुवाई करता है"। बिलाम के आज्ञाउल्लंघन का सामना करने के लिए परमेष्वर ने गधे के माध्यम से उससे बात की। परमेष्वर ने फिलिप्पुस को आदेष दिया कि वह जागृति सभा करना छोड़कर सुनसान मरुस्थल की ओर चला जाए। उसने एलिय्याह को आज्ञा दी कि वह मृत बालक को पुनः जीवित करने के लिए उस बालक के ऊपर लेट जाए। और उसने एलिषा को निर्देष दिया कि वह कड़वे पानी को शुद्ध करके मीठा बनाने के लिए उसमें नमक डाल दे।

शायद आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हों जिसने परमेष्वर की ओर से बड़ी विचित्र प्रेरणा का पालन करके बहुत आषीषें और सफलता प्राप्त की। परन्तु आप भी जाकर मृतकों पर लेटने से पहले, अपने और अपनी परिस्थिति के लिए परमेष्वर से अपना वचन प्राप्त करें। परमेष्वर के ये हस्तक्षेप उन लोगों के हालातों और परिस्थितियों के लिए परमेष्वर के नुसखे थे, परन्तु आपके लिए, वे केवल अन्य लोगों के लिए परमेष्वर की विषेष अगुवाई के विवरण हैं। परमेष्वर के इन जनों के समान, आप भी अपने हालातों और आवष्यकताओं के लिए परमेष्वर को खोजें। अपने सारे हृदय से परमेष्वर को खोजें। परन्तु, अपनी परिस्थिति के लिए उसके नुसखे को सुनें। यह सुनिष्चित तौर पर आपकी आवष्यकता पूरी करेगा और वैसा ही होगा जैसा डॉक्टर ने आदेष दिया है।

आज के लिए प्रार्थना

edit copy

हे पिता, मैं उस साहस और अद्‌भुत विष्वास को देखता हूँ जो मेरे पुरखाओं में था, और मैं विस्मित हूँ। मैं उनके लिए श्रद्धा रखता हूँ और अपने जीवन में भी उनके जैसा विष्वास और साहस प्राप्त करना चाहता हूँ। अपने जीवन के लिए आपकी योजना को सुनने के द्वारा वैसा ही समर्पण और आज्ञापालन प्राप्त करने में मेरी सहायता करें। आपके आत्मा और वचन के माध्यम से मुझसे बात करें। मेरे जीवन की विषिष्ट आवष्यकताओं के लिए मुझे नुसखें दें।

आज के लिए वचन

नीतिवचन 3:5–7 तू अपनी समझ का सहारा न लेना, वरन सम्पूर्ण मन से यहोवा पर भरोसा रखना। उसी को स्मरण करके सब काम करना, तब वे तेरे लिये सीधा मार्ग निकालेगा। अपनी दृष्टि में बुद्धिमान न होना; यहोवा का भय मानना, और बुराई से अलग रहना।

दौड़ के अगले चक्कर के लिए दौड़ाक तैयार करें

परमेष्वर चाहता है कि हममें से प्रत्येक जन अन्य लोगों में अपने आप को इस उद्देष्य से निवेष करे कि आप उन लोगों को भी छू सकें जिनसे हम कभी नहीं मिलेंगे। हम अपने आप को अपने बच्चों, अपने मित्रों, अपने प्रिय जनों, अपने सहकर्मियों में निवेष करते हैं। हम अपने आप को उनमें कुछ मात्रा तक और किसी न किसी रूप या तरीके से उण्डेल देते हैं, इस उद्देष्य से कि उन्हें उनके भविष्य के लिए बेहतर ढंग से तैयार किया जा सके। यह परमेष्वर का राज्य है। पौलुस ने तीमुथियुस को निर्देष दिया कि जो कुछ उसने सीखा है उसे उन विष्वासयेग्य लोगों को सिखा दे जो अन्य लोगों को सिखाने में सक्षम हों। परमेष्वर का राज्य एक रिले दौड़ के समान है जिसमें कई दौड़ाक हैं और प्रत्येक दौड़ाक अपनी अपनी पीढ़ी में दौड़ता है। पौलुस के समान, हमारी नज़र भी अपनी वर्तमान आवष्यकताओं और रूचियों से आगे जानी चाहिए। भविष्य के लिए योजना बनाएं और ऐसा करने के लिए अपने आप को अन्य लोगों में निवेष करें। क्योंकि केवल लोग ही हैं जिन्हें परमेष्वर स्वर्ग में ले जा सकता है।

आज के लिए प्रार्थना

हे स्वर्गिक पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आज मेरे पास अन्य लोगों के जीवन में निवेष करने का अवसर उपलब्ध है। मेरी सहायता करें कि मैं अन्य लोगों पर सकारात्मक प्रभाव डालने और उन्हें आषीष देने के अवसर को खो न दूँ। मेरे शब्दों और कामों में मुझे बुद्धि दें ताकि मैं सदा अच्छा उदाहरण बना रहूँ। उन लोगों को देखने की आँखें मुझे दें जिनका आप मेरे द्वारा पालन–पोषण करवाना चाहते हैं और मुझे मेरी आवष्यकताओं के घेरे से बाहर निकलना सिखाएं। आपका धन्यवाद, आमीन।

आज के लिए वचन

2 तीमुथियुस 2:2 और जो बातें तू ने बहुत गवाहों के साम्हने मुझ से सुनी है, उन्हें विश्वासी मनुष्यों को सौंप दे; जो औरों को भी सिखाने के योग्य हों।

नीतिवचन 22:6 लड़के को शिक्षा उसी मार्ग की दे जिस में उसको चलना चाहिये, और वह बुढ़ापे में भी उस से न हटेगा।

हर बार 'मुझे आषीष दें' के बाद 'मुझे इस्तेमाल करें' आना चाहिए

आपने कितनी बार कहा है या दूसरों को कहते सुना है, "मुझे आषीष दें, प्रभु।"? निष्चय ही बहुत बार, और अच्छे कारणों की वजह से। बाइबल हमें प्रोत्साहित करती है कि हम प्रभु से आषीषें मांगें। तथापि, आइए हम यह न भूलें कि इस निवेदन का अंतिम परिणाम आषीषें नहीं हैं। यह केवल प्रारम्भ है, एक ऐसा जरिया जिसके द्वारा परमेष्वर अन्य लोगों को, जिनके सम्पर्क में आप आते हैं, स्पर्ष कर सकता है। अतः परमेष्वर से आषीषें मांगनें का संकल्प करें और परमेष्वर का भय मानने और भक्तिपूर्ण जीवनषैली के द्वारा अपने आप को आषीषें पाने के लायक बनाएं। परन्तु, उससे आषीषें प्राप्त कर लेने के बाद, अब किसी और को उन आषीषों

edit copy

के द्वारा छूएं, जिसे, यदि यीषु शरीर में होता तो अवष्य छूता। तब परमेष्वर की आषीषें वास्तविक भिन्नता लाएंगी।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, आज मैं अपने जीवन पर आपकी आषीषें मांगता हूँ। मेरे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र, आर्थिक, भावनात्मक, आत्मिक, शारीरिक और रिष्तों में अपनी कृपादृष्टि और भलााई भर दें। परन्तु परमेष्वर, वहीं न रूक जाएं। मुझे भर देने के बाद, आपके निमित्त मुझे अन्य लोगों के लिए आषीष और संसाधन बनने में मेरी सहायता करें। मैं जानता हूँ कि मेरा कुछ भी दरअसल मेरा नहीं है। यह सब आपका है। अतः इसे मेरे परिवार, सहकर्मियों, पड़ोसियों और परिचितों को देने के लिए मुझे इस्तेमाल करें। मुझे आषीष दें ताकि मैं एक आषीष बन सकूँ।

आज के लिए वचन
व्यवस्थाविवरण 8:18 परन्तु तू अपने परमेश्वर यहोवा को स्मरण रखना, क्योंकि वही है जो तुझे सम्पति प्राप्त करने का सामर्थ्य इसलिये देता है, कि जो वाचा उस ने तेरे पूर्वजों से शपथ खाकर बान्धी थी उसको पूरा करे, जैसा आज प्रगट है।

लूका 12:48 इसलिये जिसे बहुत दिया गया है, उस से बहुत मांगा जाएगा, और जिसे बहुत सौंपा गया है, उस से बहुत मांगेंगें।

परमेष्वर हमारा स्त्रोत है – हम उसके संसाधन हैं
कभी न भूलें कि आप कहां से आए हैं, आपको किसने छुटकारा दिया, और वह क्या चाहता है कि आप इस महान उद्धार के साथ क्या करें। परमेष्वर ने इस्त्राएल को चेतावनी दी कि वे याद रखें कि कैसे परमेष्वर ने उन्हें उनके क्रूर शत्रु फिरौन से बचाया और कैसे उसने मरुस्थल में चालीस वर्ष तक उनका भरण–पोषण किया। वह चाहता है कि हम याद रखें कि हमारा उद्धारकर्त्ता कौन है और हम क्यों बचाए गए थे। हमारा उद्धार उसके छुटकारे का अंतिम परिणाम नहीं है। वास्तव में, हमारी सेवा और उसके साथ हमारा सहयोग उसकी इच्छा और उद्देष्य है। परमेष्वर ने बच निकलने का मार्ग तैयार किया। वह हमारा स्त्रोत है। अब वह चाहता है कि आप अपने मसीही भाइयों और बहनों को मजबूत बनाएं। वह चाहता है कि आप उसके राज्य के संसाधन के रूप में उन लोगों के जीवन को बदलें जिन्हें वह आपके जीवन में लाता है और उसके राज्य में भिन्नता लाएं।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, मैं दिनभर अपने सम्पर्क में आने वाले लोगों के जीवन में भिन्नता लाना चाहता हूँ। आज मिलने वाले लोगों के जीवन को स्पर्ष करने के लिए आपसे बुद्धि, साहस, और क्षमता प्राप्त करने में मेरी सहायता करें। मैं आपका संसाधन बनूंगा, अवसर आने पर सेवा करने और आपके निमित दूसरों को आषीष देने के लिए उपलब्ध रहूंगा।

आज के लिए वचन
व्यवस्थाविवरण 24:17–18 किसी परेदशी मनुष्य वा अनाथ बालक का न्याय न बिगाड़ना, और न किसी विधवा के कपड़े को बन्धक रखना; और इस को स्मरण रखना कि तू मिस्त्र में दास था, और तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे वहां से छुड़ा लाया है; इस कारण मैं तुझे यह आज्ञा देता हूं।

उत्पत्ति 12:2 और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊंगा, और तुझे आशीष दूंगा, और तेरा नाम बड़ा करूंगा, और तू आशीष का मूल होगा।

संकीर्ण समस्याएं वे होती हैं जो केवल आपको प्रभावित करती हैं

edit copy

यदि केवल आप ही एकमात्र व्यक्ति हैं जो समस्या से प्रभावित है, तो शायद आपको ध्यान देना होगा कि कहीं आप संकीर्ण तो नहीं हो रहे। कभी कभी जो बातें हम पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं, हमेषा हमारे बारे में नहीं होती। कुछ बातें ऐसी होती हैं जिन्हें हमें छोड़कर आगे बढ़ जाना चाहिए। संकीर्ण का अर्थ हैः छोटा, लघु, महत्त्वहीन और तुच्छ। संकीर्ण समस्याएं हमारे जीवन को बर्बाद कर सकती हैं और हमारे सामने मौजूद अधिक महत्त्वपूर्ण मुद्दों के बारे में हमें अंधा कर सकती हैं। इनमें अधिक मात्रा में ऊर्जा और प्रयास लगता है और सुलझ जाने पर भी परिणाम शून्य होता है। उनके सुलझ जाने के बाद एक ही बात होगी और वह यह है कि आपकी मर्जी पूरी हो जाएगी, और बाइबल के अनुसार परमेष्वर नहीं चाहता कि हम ऐसा जीवन जीएं। परमेष्वर की बातों और उन कामों को जो उसने आपको सौंपे हैं, अधिक महत्त्व दें। क्षमा कर दें, भूल जाएं और उन बातों से आगे बढ़ जाएं जो केवल आपसे ही संबंधित हैं। परमेष्वर के राज्य का कार्य हमारे सामने है। जबकि हम बेकार बैठे हैं, लोग खो रहे हैं, मर रहे हैं, और नरक में जा रहे हैं। संकीर्ण न बनें।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, मेरी सहायता करें कि मैं अपनी आँखें और मन ऊपर की बातों पर लगाऊँ, और अनन्त–मानसिकता के साथ जीऊँ। मुझे महत्त्वपूर्ण विषयों को पहचानना और उन्हें परमेष्वर के राज्य के परिणामों को ध्यान में रखकर पूरा करना सिखाएं। मैं आपकी इच्छा का स्थान अपनी संकीर्ण चिंताओं और समस्याओं को देने के द्वारा अपने आप का प्रचार नहीं करूँगा। मैं आपको पहला स्थान दूंगा और भरोसा रखूंगा कि आप मेरी चिंताओं को दूर कर सकते हैं।

आज के लिए वचन

लूका 12:29–32 और तुम इस बात की खोज में न रहो, कि क्या खाएंगे और क्या पीएंगे, और न सन्देह करो। क्योंकि संसार की जातियां इन सब वस्तुओं की खोज में रहती हैः और तुम्हारा पिता जानता है, कि तुम्हें इन वस्तुओं की आवश्यकता है। परन्तु उसके राज्य की खोज में रहो, तो ये वस्तुऐं भी तुम्हें मिल जाएंगी। हे छोटे झुंड, मत डर; क्योंकि तुम्हारे पिता को यह भाया है, कि तुम्हें राज्य दे।

उस दबाव के बारे में कभी षिकायत न करें जो आपको परमेष्वर के समीप ले जाता है

कई वर्ष पहले परमेष्वर का एक बहुत परिपक्व दास मुझसे मिलने आया। यह मेरे जीवन का वह समय था जब मैं जीवन के कुछ सामान्य दबावों से उभरने के लिए संघर्ष कर रहा था। मेरे परिवार का भार, नौकरी, सेवकाई, और कुछ सामान्य मुद्दे मुझे बोझ लग रहे थे और मैं दबाव महसूस कर रहा था। यह बुजुर्ग पासबान मेरे साथ बैठा था और मेरी परेषानियों को सुन रहा था। जब मैं कह चुका, तो वह मुस्कुराया और बड़ी सहजता, प्रेम और दृढ़ता से मुझसे कहने लगा, "उस दबाव के बारे में कभी षिकायत न करें जो आपको परमेष्वर के समीप ले जाता है.....जीवन के दबावों को अपने और परमेष्वर के बीच कभी न आने दें।"

मैंने सुना है कि हीरा और कुछ नहीं केवल कोयले का एक पुराना टुकड़ा होता है जो दबाव में आने से सुन्दर बन जाता है। जीवन के सामान्य संघर्षों के कारण न तो परेषान हों और न ही कुढ़ें। जब आप उनके अधिक दबाव आते हैं और परमेष्वर के समीप आते हैं तो उनसे सीखें और प्रेरणा प्राप्त करें। इन समयों का उपयोग परमेष्वर के साथ समीपी संबंध विकसित करने के लिए करें।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, मैं अपना जीवन समतल भूमि पर जीने का चयन करता हूँ, और मैं अपने सामने आने वाले दबावों के कारण षिकायतों की घाटी में नहीं गिरूँगा। मैं आप पर भरोसा रखता हूँ और जानता हूँ कि इन समयों में आप मेरे साथ है और मेरा बोझ उठा कर चल रहे हैं। इन सब बातों का उपयोग करके मुझे अपने पुत्र यीषु जैसा बना लें।

आज के लिए वचन

edit copy

यूहन्ना 16:33 संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बांधो, मैं ने संसार को जीत लिया है। और मैं उसको और उसके मृत्युंजय की सामर्थ को, और उसके साथ दुखों में सहभागी हाने के मर्म को जानू, और उस की मृत्यु की समानता को प्राप्त करूं।

मुख्य बात को मुख्य बात रखना ही मुख्य बात है

ज़िंदगी विकर्षण और धोखे से भरी पड़ी है जो बड़ी आसानी से हमें हमारे जीवन के लिए परमेष्वर की इच्छा से भटका सकते हैं। अदन की आटिका में हव्वा के साथ भी ऐसा ही हुआ जब शैतान ने उसके सामने प्रलोभन रखा कि वह अपनी आँखें परमेष्वर के वचन पर से हटाकर अपनी चाहतों पर लगा ले। बहुत बार शैतान आपके पूरे दिन को बर्बाद करने के लिए छोटी छोटी समस्याएं आपके सामने भेजता है और उन बातों में उत्पादक होने के अवसरों को छीन लेता है जो सचमुच महत्त्वपूर्ण हैं। लोग अक्सर महत्त्वपूर्ण बातों को कुर्बान करके ऐसी बातों पर बहस करते हैं जिनका कोई महत्त्व ही नहीं है।

संकल्प लें कि आप उन बातों के कारण विकर्षित, विमार्ग, निराष या पराजित नहीं होंगे जिनका अनन्तता के दृष्टिकोण से कोई महत्त्व नहीं है। याद रखें, मुख्य बात को मुख्य बात रखना ही मुख्य बात है.....और मुख्य बात परमेष्वर के राज्य के लिए आत्माएं जीतना है।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, यह जानने के लिए मुझे बुद्धि और विवेक दें कि मैं कब ज़िंदगी के विकर्षणों में दबता जा रहा हूँ या स्वयं को शोषित करता जा रहा हूँ और आज तथा प्रतिदिन मेरे जीवन की मुख्य बात को मुख्य बात रखने में मेरी सहायता करें।

आज के लिए वचन

उत्पत्ति 3:1, 6 यहोवा परमेश्वर ने जितने बनैले पशु बनाए थे, उन सब में सर्प धूर्त था, और उस ने स्त्री से कहा, क्या सच है, कि परमेश्वर ने कहा, कि तुम इस बाटिका के किसी वृक्ष का फल न खाना? सो जब स्त्री ने देखा कि उस वृक्ष का फल खाने में अच्छा, और देखने में मनभाऊ, और बुद्धि देने के लिये चाहने योग्य भी है, तब उस ने उस में से तोड़कर खाया; और अपने पति को भी दिया, और उस ने भी खाया।

मत्ती 28:19–20 इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो। और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओः और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूं।

आपका अभिषेक आपकी योग्यता को बढ़ाता है

परमेष्वर ने मूसा को उसके अभिषेक के रूप में एक लाठी दी थी जबकि एलिय्याह को उसने एक चादर दी थी जो उसने आगे एलीषा को उसके दोगुने अभिषेक के लिए सौंप दी थी। इस अभिषेक के साथ बहुत बड़ी सामर्थ आई और चिह्न, चमत्कार और आष्चर्यकर्म हुए। जब परमेष्वर का अभिषेक किसी व्यक्ति के जीवन के द्वारा कार्य करता है तो यह उस व्यक्ति को ऐसे कार्य करने में सक्षम बनाता है जो वह अपनी सामर्थ में नहीं कर सकता। पूरी बाइबल में और हमारे समय में भी ऐसे स्त्रियां और पुरुष पाए जाते हैं जो परमेष्वर की ओर से अभिषिक्त हुए कि उन्होंने यीषु के नाम में बीमारों को चंगा किया, मृतकों को पुनः जीवित किया और प्रकृति के नियमों को बदल डाला। सर्वशक्तिमान परमेष्वर आज भी लोगों को अभिषेक करता है। उसने आपको किस काम के लिए अभिषेक किया है? परमेष्वर के वरदानों का अनुग्रह आपके जीवन की स्वाभाविक योग्यताओं को हमेशा बढ़ाएगा। परमेष्वर के अभिषेक पर निर्भर हों और अपना जीवन यीषु के नाम पर विष्वास के साथ जीएं।

आज के लिए प्रार्थना

editcopy

हे परमेष्वर, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बुलाया, तैयार किया, नियुक्त किया और निरंतर अभिषेक कर रहे हैं ताकि मैं यीषु के नाम पर्वतों को हटा दूँ, चमत्कार करूँ, और आपकी इच्छा के शत्रुओं पर विजय प्राप्त करूँ। अपनी योग्यताओं से बढ़कर आपके अभिषेक पर भरोसा रखने में मेरी सहायता करें।

आज के लिए वचन
निर्गमन 14:16 और तू अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा, और वह दो भाग हो जाएगा; तब इस्राएली समुद्र के बीच होकर स्थल ही स्थल पर चले जाएंगे।

फिलिप्पियों 4:13 मसीह के द्वारा, जो मुझे सामर्थ देता है, उस में मैं सब कुछ कर सकता हूं।

जकर्याह 4:6 तब उस ने मुझे उत्तर देकर कहा, जरूब्बाबेल के लिये यहोवा का यह वचन है: न तो बल से, और न शक्ति से, परन्तु मेरे आत्मा के द्वारा होगा, मुझ सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।

अलग न हों बल्कि आवरणयुक्त हो जाएं

हमें चिताया गया है कि हम परमेष्वर के सारे हथियार बांध लें ताकि हम इस संसार में शैतान की क्रूरता के विरूद्ध खड़े रह सकें। यह हमें बताता है कि परमेष्वर हमें इस संसार से बाहर निकाल देने की बजाय इस संसार की उन बातों से सुरक्षित रखना चाहता है जो हमें नुकसान पहुंचा सकती हैं। हालाँकि हम इस संसार में हैं परन्तु इस संसार के नहीं हैं और ससांर की बातों का हमारे विष्वास और परिवार पर बुरा असर नहीं पड़ना चाहिए। न ही परमेष्वर यह चाहता है कि हम इस संसार से अपने आप को इतना अलग कर लें कि हम न तो खोए हुओं तक पहुंच पाएं, न ही सुसमाचार प्रचार कर पाएं और न ही उनकी आवष्यकताएं पूरी कर पाएं। हम अलग न हों बल्कि आवरणयुक्त हो जाएं। अपने आप पर परमेष्वर के वचन, प्रार्थना और ईष्वरीय परामर्ष का आवरण चढ़ा लें। तब, अपने आप को शामिल करें, फिर चाहे आपको नुकसान, कष्ट, सताव या श्रापों का भी सामना क्यों न करना पड़े। यदि आप उचित रीति से आवरणयुक्त हैं तो आप युद्धक्षेत्र में दृढ़ता से खड़े रह सकते हैं।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर में आपके सारे हथियार बान्ध लेने का चयन करता हूँ ताकि मैं इस संसार में उस ज्योति के समान खड़ा रह सकूँ जो अंधकार में चमकती है और उन बुराइयों से सुरक्षित रह सकूँ जो इस सुरक्षा के बिना मुझे नष्ट कर देंगी। मैं कष्ट या सताव को अवसर नहीं दूंगा कि वे मुझे मेरी बुलाहट में शामिल होने से रोकें। हे प्रभु, आपकी इच्छा पूरी करने में मेरी सहायता करें।

आज के लिए वचन
इफिसियों 6:10–11 निदान, प्रभु में और उस की शक्ति में बलवन्त बनो। परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो; कि तुम शैतान की युक्तियों के साम्हने खड़े रह सको।

नीतिवचन 18:1–2 जो औरों से अलग हो जाता है, वह अपनी ही इच्छा पूरी करने के लिये ऐसा करता है, और सब प्रकार की खरी बुद्धि से बैर करता है।

जो बात आपको अचम्भा लगती है, वह परमेष्वर की एक योजना है

उत्पत्ति 29 उस घटना का वर्णन करता है जब याकूब अपने विवाह की अगली सुबह यह सोचते हुए उठा कि उसने अपने सच्चे प्रेम, राहेल से विवाह कर लिया है। परन्तु उसे यह जानकर अचम्भा हुआ कि वास्तव में उसका विवाह राहेल की बड़ी बहन लिआ से हो गया है। कई वर्षों तक लिआ के साथ ऐसा बर्ताव किया गया कि मानो वह याकूब की प्रिय पत्नी नहीं बल्कि एक गलती थी। तथापि, जो बात याकूब की नज़रों में अचम्भा और गलती लग रही थी, वास्तव में परमेष्वर की बनाई हुई एक योजना थी, जो हमारे विष्वास का कर्त्ता और सिद्ध करने वाला, सर्वषक्तिमान अधिपति परमेष्वर, सारे ब्रह्माण्ड का शासक है, जिसके पास

edit copy

अपनी इच्छानुसार कुछ भी करने का अधिकार है। हमारी योजनाओं में हस्तक्षेप करने से पहले परमेष्वर को हमारी अनुमति लेने की आवष्यकता नहीं है। आप देखें, लिआ ही यहूदा की माता बनी, जिसके द्वारा मसीहा आया और अब्राहाम एवं साराह तथा इसहाक एवं रिबका के समान लिआ ही याकूब के साथ एक ही कब्र में दफनाई गई थी। परमेष्वर के पास एक योजना है! और, जो बात आपको अचम्भा लगती है, वह परमेष्वर की एक योजना हो सकती है। अपना जीवन उसे सौंप दें, और अपने सब कामों में उसे अवष्य सम्मान दें और उसे आपके मार्गों में अगुवाई करने दें।

आज के लिए प्रार्थना
मुझे उद्धार की योजना देने के लिए आपका धन्यवाद। मेरी सहायता करें कि अन्य लोगों को आपके प्रेम के बारे में बताने के लिए मैं आपके द्वारा इस्तेमाल हो सकूँ। और साथ ही, मैं ज़िंदगी के सफर में आने वाले सभी अचम्भों को आपकी योजना के रूप में देख सकूँ, ताकि मुझे आनन्द मिले, मैं बढ़ सकूँ और आप पर भरोसा रखना सीखूँ।

आज के लिए वचन
नीतिवचन 16:33 चिट्ठी डाली जाती तो है, परन्तु उसका निकलना यहोवा ही की ओर से होता है।

भजन 37:23 मनुष्य की गति यहोवा की ओर से दृढ़ होती है, और उसके चलन से वह प्रसन्न रहता है।

जब परमेष्वर बोलता है तो संदेह की आवाज़ को नज़रअंदाज़ कर दें
सब लोग अपने जीवन में अनापेक्षित निराषाओं और बाधाओं का सामना करते हैं। तथापि, इन घटनाओं में आपके जीवन की दिषा को बदलने की ताकत नहीं होती। ऐसा अधिकार केवल आपके पास है। जब दाऊद इस्त्राएलियों और पलिष्तियों के बीच हो रहे युद्ध में पहुंचा, उसके भाई उसका मज़ाक उड़ाने और उसे डाँटने लगे, और उस पर दोष लगाने लगे कि वह घमण्डी है क्योंकि उसने पूछा था कि गोलियत को मारने वाले को क्या इनाम मिलेगा। तथापि, दाऊद ने उन्हें नज़रअंदाज़ कर दिया और उसकी मुलाकात राजा से हुई। बाकी सब इतिहास में लिखा है। दाऊद गोलियत पर और इस्त्राएल पलिष्तियों पर विजयी हुआ। अपने भाइयों की उत्साहभंग करने वाली बातों से डरने की बजाय वह आगे बढ़ा और वह सम्मान प्राप्त किया जो प्रभु के योद्धा को मिलना चाहिए। आप भी, ऐसे समयों का सामना करेंगे जब लोग या परिस्थितियाँ आपके प्रभाव को रोकने और समाप्त करने का प्रयास करेंगे। संदेह करने वाले लोगों को नज़रअंदाज़ करें और प्रभु के नाम में विजय प्राप्त करें।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मुझे अपनी आंखें आप पर और आपके वचन पर लगाए रखने में सहायता करें। इसे मैं अपने जीवन के प्रतिदिन अपना चिंतन और परामर्ष बना लूंगा। जब मैं ऐसे हालातों या लोगों का सामना करूँगा जो मेरी प्रगति को रोकेंगे, तब मैं अपनी आंखें आप पर लगाए रखूंगा कि आप मुझे उस तूफान से पार ले जाएं। मैं किसी व्यक्ति या परिस्थिति के कारण अपनी बुलाहट को बदलने नहीं दूंगा। मैं अपने जीवन के लिए आपकी इच्छा पूरी करूँगा।

आज के लिए वचन
1 शमूएल 17:32 तब दाऊद ने शाऊल से कहा, किसी मनुष्य का मन उसके कारण कच्चा न हो; तेरा दास जाकर उस पलिश्ती से लड़ेगा।

आपकी विजय आपके शत्रु की हार में नहीं है......आपकी विजय मसीह में है
क्या किसी बुरी, किसी बेकार, किसी ऐसी बात, जो आपके अनुसार होनी ही नहीं चाहिए थी, में से कुछ अच्छा निकल सकता है? क्या कभी ऐसा हुआ है कि कोई हार कर भी जीत गया हो? क्या परमेष्वर जानता है कि वह दरअसल क्या कर रहा है जब वह कभी कभी किसी शत्रु को उस युद्ध में जीतने या उस संघर्ष

editcopy

में सफल होने का अवसर दे देता है जिसमें आप शामिल हैं? इन सभी प्रष्नों का उत्तर एक सुनिष्चित हाँ है।

कभी कभी परमेष्वर अनुमति दे सकता और देता है कि हमारे शत्रु हम पर हावी हों और प्रकट रूप से कुछ युद्ध जीत लें जो बाद में हमारी सबसे पसंदीदा रूची बन जाते हैं। तब भी ऐसा ही हुआ जब परमेष्वर के शत्रु यीषु को मारने और क्रूसार्पित करने में सफल हो गए। यह तब भी हुआ जब 1 राजा 22 में अराम ने राजा अहाब को मारकर इस्राएल को हरा दिया। अपनी आंखें अपने शत्रुओं की जीत पर से हटा लें और अपने शत्रुओं की हार पर से हटा लें......अपनी आंखों यीषु पर लगाए रखें, क्योंकि आपकी विजय उसी में है।

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रिय प्रभु, मुझे अपनी आंखें अपनी समस्याओं पर से हटाने और आप पर लगाने में सहायता करें। मुझे अपने शत्रुओं से प्रेम करना और उन लोगों को आषीष देना सिखाएं जो मुझे सताते हैं और मेरे साथ दुर्व्यवहार करते हैं। यह जानने में मेरी सहायता करें कि मेरी विजय मेरे शत्रुओं की हार में नहीं है, बल्कि मेरी विजय आप में है।

आज के लिए वचन
1 कुरिन्थियों 15:57 परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।

2 कुरिन्थियों 2:14 परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो मसीह में सदा हम को जय के उत्सव में लिये फिरता है, और अपने ज्ञान का सुगन्ध हमारे द्वारा हर जगह फैलाता है।

लूका 6:27 परन्तु मैं तुम सुननेवालों से कहता हूं, कि अपने शत्रुओं से प्रेम रखो; जो तुम से बैर करें, उन का भला करो।

आपका पूर्वानुमान अक्सर आपके पतन का कारण होता है

अदन की वाटिका से लेकर निरंतर, शैतान मानवजाति के सामने वही पुराने प्रलोभन लाता आ रहा है। वह प्रधान प्रलोभक है जो हमारे सामने ऐसे प्रलोभन लाता है जो न तो बहुत कठिन हैं और न ही बहुत सरल हैं, परन्तु हमारे जीवन की आयु और स्तर के अनुसार बिल्कुल उपयुक्त हैं। हजारों वर्षों से, शैतान मानवजाति पर शोध करता आ रहा है, पृथ्वी पर घूमता फिरता है, ढूँढता है कि किन्हें फाड़ खाए, और इसमें वह बहुत सफल हुआ है। शैतान ऐसा मानता है कि जब वह आपके सामने ऐसा प्रलोभन लाएगा जो विषेषकर आपके स्वभाव और व्यक्तित्व के अनुसार तैयार किया गया है, तो वह आपका पूर्वानुमान लगा सकता है कि आप क्या प्रतिक्रिया करेंगे। वह ऐसा मानता है कि ऐसा करके वह आपको गिरा सकता है। अपना पूर्वानुमान न लगने दें! स्वाभाविक मनुष्य के समान कार्य न करें, अपनी समझ या मानवीय बुद्धि पर आश्रित न हों। यदि आप ऐसा करेंगे तो आप उसकी युक्तियों का षिकार बन जाएंगे। अपूर्वानुमयी बनें.....जब आपके एक गाल पर चाँटा मारा जाता है, तो दूसरा फेर दें; जब आप को कोसा जाता है, तो बदले में आषीष दें; जब आपको सताया जाता है, तो जिन्होंने आपके साथ दुर्व्यवहार किया है उनके साथ भलाई करें। यीषु का संदेष और आपके जीवन के लिए परमेष्वर की इच्छा यही है। षैतान को आपका पूर्वानुमान लगाने और आपको हराने का अवसर न दें। यीषु पर भरोसा रखें और उसके वचन के अनुसार चलें।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, मुझे यीषु जैसा बनना और अपने शरीर के सामान्य स्तर से ऊँचा जीवन जीना सिखाएं। मेरी सहायता करें कि मैं अपने प्राण को आपके वचन के अनुसार जीने और जीवन की समस्याओं और दबावों के प्रति प्रतिक्रिया न करने के लिए प्रषिक्षित कर सकूं। मैं चयन करता हूँ कि मैं अपना पूर्वानुमान नहीं लगने दूंगा।

आज के लिए वचन

यूहन्ना 3:8 हवा जिधर चाहती है उधर चलती है, और तू उसका शब्द सुनता है, परन्तु नहीं जानता, कि वह कहां से आती और किधर को जाती है? जो कोई आत्मा से जन्मा है वह ऐसा ही है।

1 पतरस 5:8–9 सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह के समान इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए। विश्वास में दृढ़ होकर, और यह जानकर उसका साम्हना करो, कि तुम्हारे भाई जो संसार में हैं, ऐसे ही दुख भुगत रहे हैं।

edit copy